आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:13-12-14

हम बच्चों को आत्मा, परमात्मा और सारी सृष्टि चक्र का ज्ञान देकर, सर्वगुण सम्पन्न सोलेकला सम्पूर्ण बनाने वाले, पतित-पावन, ज्ञान-सागर बाप ने कहा मीठे बच्चे – तुम्हें अपनी आत्मा रुपी बैटरी को ज्ञान और योग से भरपूर कर सतोप्रधान बनाना है, पानी के स्नान से नहीं.

बाबा हमें हर रोज मुरलीओ में आत्मा और परमात्मा का ज्ञान देते है जिसे हम आत्माये उस बेहद के बाप को अच्छी तरह से पहचान सके और उसे याद कर अपनी आत्मा को तमोप्रधान से सतोप्रधान बना सके. बाबा हमें सारी सृष्टि चक्र का ज्ञान देते है जिसे हम आत्माये खुशी से भर जाती हैं. हमें महसूस होता है कि अब हमारा सतयुग आया की आया.

आज की मुरली से आत्मा-परमात्मा पर कहे गये महा-वाक्यों --

- बाबा कहते है मीठे-मीठे रुहानी बच्चे यहॉ बैठकर समझते हैं, इनमें जो शिवबाबा आये हैं, वह कैसे भी करके हमें अपने साथ अपने घर-परमधाम जरूर ले जायेंगे. वह है आत्माओं का घर. तो बच्चों को खुशी जरूर होती होगी कि बेहद का बाप आकर हमको गुल-गुल बनाकर अपने साथ ले जायेंगे. इसको कहा जाता है योगबल, याद का बल.

- बाबा कहते है तुम जानते हो हमारा बाबा, बाप भी है, टीचर भी है और सतगुरु भी है. तुम कहेंगे हमारा बाबा टीचर है उनको हम याद करते हैं. वह हमको टीच करके यह देवी-देवता बना रहे है. फिर बाबा हमको वापस घर ले जायेंगे.

- बाबा कहते है अभी तुम्हारी बुद्धि में है रुहानी बाप, और रुहानी बाप की बुद्धि में हो तुम रुहानी बच्चे क्योंकि हमारा कनेक्शन है ही मूलवतन से. इस पर ही गायन है आत्माये परमात्मा अलग रहे बहुकाल... वहाँ तो आत्माये बाप के साथ इकट्ठी रहती हैं. फिर अलग होती हैं अपना-अपना पार्ट बजाने. अब तुम पढ़ाई पढ़ रहे हो. तुम्हारे में भी नम्बरवार हैं जो अच्छी रीति पढ़ते हैं. वही पहले-पहले मेरे से जुदा हुए हैं. वही फिर मुझे बहुत याद करेंगे तो फिर पहले-पहले आ जायेंगे.

- बाबा कहते है जैसे आत्मा को समझते हो वैसे बाप को समझते हो. कहते भी है चमकता है सितारा. बहुत छोटा सितारा है. बहुत सूक्ष्म है. आत्मा जब एक शरीर छोड़ती है फिर दूसरे शरीर में जाकर प्रवेश करती है. अभी तुम्हारी आत्मा तो ऊपर चली जायेगी शान्तिधाम.

- बाबा कहते है बच्चों को यह जो नॉलेज अभी मिलती है इसकी स्मृति में रहना है. मुख्य है दो अक्षर बाप को याद करो. बाप ही पतित-पावन सर्व शक्तिमान है. बाप ही तुम्हें सारे विश्व का राज्य देते है.

- बाबा कहते है इनका भी गुरु शिवबाबा है, तुम ब्राह्मणों का भी गुरु शिवबाबा है. उनको सतगुरु कहा जाता है. वही नई दुनिया स्वर्ग रचते है. ऊंचे ते ऊंच है शिव भगवान. वह हम सब आत्माओं का बाप है. वही कहते है मुझ बाप को याद करो.

आज की मुरली से सृष्टि चक्र के ज्ञान पर कहे गये महा-वाक्यों --

- बाबा कहते है बाप बच्चों को बैठ सारे सृष्टि चक्र का गुह्य राज (razz) समझाते हैं, जो और कोई भी नहीं जानते. अभी बाबा ने तुम बच्चों को जगाया है और सब सोये पड़े हैं. तुम भी कुंभकर्ण की आसुरी नींद में सोये हुए थे. अब तुम बच्चे जागे हो, जानते हो बाबा आया हुआ है, हमको घर ले जाने.

- बाबा कहते है अभी तुम संगम पर खड़े हो. तुम्हारे एक तरफ है कलियुग, दूसरे तरफ है सतयुग. यहाँ करोड़ों मनुष्य हैं और सतयुग में सिर्फ है ९ लाख. अभी बाप आते ही हैं नई दुनिया सतयुग की स्थापना करने. ब्रह्मा द्वारा स्थापना होती है. फिर विष्णु द्वारा पालना होती है.

- बाबा कहते है तुम यह भी जानते हो विकारी से निर्विकारी, निर्विकारी से विकारी, यह ८४ जन्मो का पार्ट तुमने अनगिनत बार बजाया है. यह सारा चक्र ५ हजार वर्ष का है. तुम ही नई दुनिया के मालिक थे फिर ८४ जन्म लेते-लेते यह बने हैं. अब तुम जानते हो कैसे यह ब्रह्मा सो विष्णु, फिर विष्णु सो ब्रह्मा बनते है. बाबा ही इनको ब्रह्मा और फिर विष्णु बनाते है. वह विष्णु सतयुग का है, ब्रह्मा यहाँ का है. ब्रह्मा से विष्णु बनना है सेकण्ड में, फिर विष्णु से ब्रह्मा बनने में ५ हजार वर्ष लगते हैं. केवल ब्रह्मा ही नहीं तुम सब भी बनते हो. यह बातें सिवाय बाप के और कोई समझा न सके.

ॐ शांति.